UNIVERSITY OF RAJASTHAN
JAIPUR

SYLLABUS

M.A.

SANSKRIT

(ANNUAL SCHEME)

PREVIOUS - 2016

FINAL - 2017

Prepared by

Checked by

Section Officer (Acad. I)
University of Rajasthan

फैकल्टी ऑफ आर्ट्स

एम.ए. संस्कृत

एम.ए (प्रीवियस) परीक्षा– 2015–16
एम.ए (फाईनल) परीक्षा– 2016–17

संस्कृत विभाग

एम.ए. पूर्वार्द्ध – 2015–16 की परीक्षा में चार प्रश्नपत्र होंगे। विद्यार्थी को चारों प्रश्नपत्र करने हैं। प्रत्येक का पूर्णांक 100 अंक का तथा समय की अवधि तीन घंटे निर्धारित है। प्रत्येक प्रश्न–पत्र में 20 प्रतिशत अंक के प्रश्न संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जायेंगे। चारों प्रश्नपत्र अनिवार्य हैं।

एम.ए. (पूर्वार्द्ध)

प्रथम प्रश्न–पत्र	वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान
द्वितीय प्रश्न–पत्र	ललित साहित्य तथा नाटक
तृतीय प्रश्न–पत्र	भारतीय दर्शन
चतुर्थ प्रश्न–पत्र	भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

एम. ए. (उत्तरार्द्ध)

इस परीक्षा में पांच प्रश्न–पत्र होंगे। प्रस्तावित विषय वर्गों में से एक वर्ग का चयन करना होगा, जिसके तीन प्रश्नपत्र प्रतिवर्ग निर्धारित हैं। चतुर्थ एवं पंचम पत्र सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं। सभी पत्रों का समय तीन घंटें की अवधि का रहेगा तथा सभी पत्र 100 अंक के निश्चित किये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न–पत्र मे 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु सुरक्षित है। पूर्वार्द्ध की परीक्षा में 55 प्रतिशत या इससे अधिक अंक प्राप्त नियमित परीक्षार्थी के लिए उत्तरार्द्ध के पंचम प्रश्न–पत्र के स्थान पर लघुशोध प्रबन्ध का विकल्प भी उपलब्ध है।

वर्ग 'अ' साहित्य

प्रथम पत्र	साहित्यशास्त्र
द्वितीय पत्र	नाटक तथा नाट्यशास्त्र
तृतीय पत्र	गद्य, पद्य तथा चम्पू, अथवा किसी कवि या लेखक का विशिष्ट अध्ययन (भास अथवा कालिदास)

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम पत्र	संहिता पाठ

द्वितीय पत्र	ब्राह्मण, उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ
तृतीय पत्र	वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रकिया अथवा ऋग्वेद के किसी मण्डल का विशिष्ट अध्ययन

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम पत्र	न्याय और वैशेषिक दर्शन
द्वितीय पत्र	शैवागम, सांख्य दर्शन और दर्शनशास्त्र
तृतीय पत्र	वेदान्त, मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन

वर्ग 'द' धर्मशास्त्र

प्रथम पत्र	सूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास
द्वितीय पत्र	स्मृति शास्त्र
तृतीय पत्र	निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित ज्ञान

वर्ग 'इ' व्याकरण

प्रथम पत्र	वाक्यपदीय एवं वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी
द्वितीय पत्र	व्याकरण महाभाष्य व वैयाकरण भूषणसार
तृतीय पत्र	प्रकरणग्रन्थ और व्याकरणशास्त्र का इतिहास

वर्ग 'एफ' ज्योतिषशास्त्र

प्रथम पत्र	ज्योतिषविज्ञान, खगोल एवं ताजिकशास्त्र
द्वितीय पत्र	वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त
तृतीय पत्र	जन्मपत्र–निर्माण फलादेश के सिद्धान्त

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य

चतुर्थ पत्र	व्याकरण एवं निबन्ध
पंचम पत्र	प्राचीन साहित्य, **अथवा** आधुनिक संस्कृत साहित्य **अथवा** लघुशोधप्रबन्ध (नियमित छात्रों के लिए)

Section Officer (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

अवधेयम् –

1– प्रत्येक प्रश्नपत्र में निर्धारित पाठ्य विषयों अथवा ग्रन्थों के इतिहास,काव्यशास्त्रीय पक्ष, समालोचनात्मक तथ्य आदि से संबद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे, जिनसे परीक्षार्थी के तत्सम्बन्धी ज्ञान का परीक्षण हो सके।

2– प्रत्येक प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा, किन्तु परीक्षार्थी को यह छूट है कि वह उस प्रश्न विशेष के अतिरिक्त जिसका उत्तर परीक्षक ने संस्कृत में मांगा है, सभी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से प्रस्तुत कर सकता है। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

एम0ए0 (पूर्वार्द्ध) संस्कृत

प्रथम पत्र – वैदिक साहित्य और तुलनात्मक भाषा विज्ञान

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– ऋग्वेद निम्न सूक्तों का अध्ययन 30 अंक
(अग्नि–1.12, रुद्र–2.33, विष्णु–1.154, अक्ष–10.34, वरुण– 7.86, वाक्–10.125, पुरुष–10.90, नासदीय–10.129)

2– यजुर्वेद (अध्याय 34) – शिवसंकल्पसूक्त–दो मंत्रों में से एक की व्याख्या 5 अंक

3 – अथर्ववेद (12.1) पृथिवी सूक्त (भूमि सूक्त) 1 से 18 मंत्र 10 अंक

4– निरुक्त–यास्क (प्रथम अध्याय) 20 अंक

5– भाषा विज्ञान – 30 अंक
(रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त, उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि–नियम, भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ–परिवर्तन के कारण, संस्कृत ध्वनियों का विकास, संस्कृत और अवेस्ता, संस्कृत और पालि, संस्कृत और प्राकृत)।

विस्तृत अंक–विभाजन

1–ऋग्वेद	ऋग्वेद के निर्धारित सूक्तों में से चार मंत्रों में से 2 मन्त्रों की व्याख्या जिनमें से एक हिन्दी में और एक संस्कृत में करनी होगी।	20 अंक (10+10)
	2– पदपाठ	4 अंक

Section Officer (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

	3– दो देवताओं में से एक देवता का स्वरूप	6 अंक
2–यजुर्वेद	यजुर्वेद, के निर्धारित भाग से 2 मन्त्रों में से 1 की व्याख्या।	5 अंक
3– अथर्ववेद	2 मन्त्रों में से 1 की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
4– निरुक्त	1) चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या	15 अंक(7.5+7.5)
	2) आठ पदों में से चार पदों की निर्वचन	10 अंक (2.5X4)
5–भाषा विज्ञान	1) रूपरेखा, क्षेत्र, भाषा उत्पत्ति के प्रमुख सिद्धान्त दो में से एक प्रश्न करना होगा।	10 अंक
	2) उच्चारण स्थान, ध्वनियां, स्वर तथा व्यंजन, ध्वनि परिवर्तन के कारण, ध्वनि नियम। दो में से एक प्रश्न।	10 अंक
	3) भाषाओं का वर्गीकरण, अर्थ परिवर्तन के कारण संस्कृत ध्वनियां, अवेस्ता, पालि और प्राकृत। दो में से एक प्रश्न।	10 अंक
	कुल योग	100अंक

सहायक पुस्तकें और संस्तुत पुस्तकें

क– वैदिक साहित्य

1–ऋक्सूक्त वैजयन्ती– डॉ. एच.डी. वेलनकर (पूना से प्रकाशित)
2–ऋक्सूक्त समुच्चय– डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
3–वैदिक वाङ्मय – एक परिशीलन – ब्रजबिहारी चौबे
4–वैदिक स्वरबोध – ब्रजबिहारी चौबे
5–ऋग् भाष्यसंग्रह – देवराज चानना
6–वैदिक व्याकरण – ए.ए. मेक्डोनल
7–वैदिक व्याकरण – डॉ. उमेशचन्द्र पाण्डे
8–वैदिक स्वरमीमांसा – श्री युधिष्ठिर मीमांसक
9–ऋग्वेद चयनिका – विश्वम्भरनाथ त्रिपाठी
10–वेद विज्ञान – कर्पूरचन्द कुलिश, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
11–छन्दःसमीक्षा – स्वामी सुरजनदास, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

ख– भाषा–विज्ञान

1–एन इन्टोडक्शन टू कम्परेटिव फिलोलोजी, गुणे, ओरियंटल बुक एजेंसी, पूना
2–लिंग्विस्टिक इन्ट्रोडक्शन टू संस्कृत – बटकृष्ण घोष, इण्डियन इन्स्टीट्यूट, कोलकाता।
3–तुलनात्मक भाषाशास्त्र – डॉ0 मंगलदेव शास्त्री
4–भाषाविज्ञान – डॉ0 भोलानाथ तिवारी
5–संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन – डॉ. भोलाशंकर व्यास – भारतीय ज्ञानपीठ, काशी।
6–संस्कृत भाषाविज्ञान – डॉ. राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

Section Officer (Acad.-I)
University of Rajasthan

7–एलीमेंट्स ऑफ दी साईन्स ऑफ लैंग्वेज, तारापोरेवाला, हिन्दी अनुवाद, मध्यप्रदेश हिन्दी अकादमी
8–भाषा का इतिहास – श्रीभगवद्दत्त
9–संस्कृत का ऐतिहासिक एवं संरचनात्मक अध्ययन– देवीदत्त शर्मा, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी।

द्वितीय प्रश्नपत्र – ललित साहित्य एवं नाटक

समय – तीन घंटे **पूर्णांक – 100 अंक**

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– मेघदूत–कालिदास 35 अंक

2– प्रतिमानाटकम्–भास 25 अंक

3– मृच्छकटिकम्–शूद्रक 40 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–मेघदूत	(1) चार श्लोक (2 श्लोक पूर्वार्द्ध और 2 श्लोक उत्तरार्द्ध भाग में से) पूछकर दो की सप्रसंग व्याख्या (जिनमें से एक की व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य)	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2–प्रतिमानाटकम्	(1) चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3–मृच्छकटिकम्	(1) चार श्लोक में से दो की सप्रसंग व्याख्या	20 अंक (10+10)
	(2) दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	(3) दो सूक्तियों में से एक की संस्कृत व्याख्या	10 अंक
	कुल योग	100 अंक

सहायक पुस्तकें–

1– संस्कृत के संदेश काव्य – डॉ0 रामकुमार आचार्य

2– मेघदूत–कालिदास–व्याख्या – डॉ0 रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा

3– प्रतिमा नाटकम्–भास

Section Officer (Academic)
University of Rajasthan
JAIPUR

4– मृच्छकटिकम् – रमाशंकर त्रिपाठी

5– मृच्छकटिकम् – डॉ0 श्रीनिवास शास्त्री

6– मृच्छकटिकम्–शास्त्रीय, सामाजिक एवं राजनीतिक अध्ययन – डॉ0 शालगराम द्विवेदी

तृतीय प्रश्नपत्र – भारतीय दर्शन

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– सांख्यकारिका, ईश्वरकृष्ण	25 अंक
2– तर्कभाषा (प्रामाण्यवादपर्यन्त), केशवमिश्र	20 अंक
3– वेदान्तसार,– सदानन्द	20 अंक
4– अर्थसंग्रह (विधिभाग तक) लौंगाक्षिभास्कर	15 अंक
5–योगसूत्रम् (प्रथम व द्वितीय पाद) पतंजलि	20 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1–सांख्यकारिका	(1) चार कारिकाओं में से दो की सप्रसंग व्याख्या (इनमें से एक संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	18 अंक (9+9)
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
2– तर्कभाषा	(1) दो प्रश्नों में एक उद्धरण की व्याख्या	10 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3– वेदान्तसार	(1) दो उद्धरणों में से एक उद्धरण की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
4– अर्थसंग्रह	(1) दो उद्धरण देकर एक की सप्रसंग व्याख्या	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर	7 अंक
5– योगसूत्रम्	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	10 अंक (5+5)
	(2) दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर संस्कृत भाषा में।	10 अंक
	कुल योग	**100 अंक**

सहायक पुस्तकें–

1– सांख्यकारिका (युक्तिदीपिका सहित) सं0 रमाशंकर त्रिपाठी

2– सांख्यतत्त्वकौमुदी – रमाशंकर भट्टाचार्य

3– तर्कभाषा – आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, चौखम्बा, वाराणसी
4– तर्कभाषा – आचार्य बदरीनाथ शुक्लकृत हिन्दी व्याख्या, चौखम्बा, वाराणसी
5– वेदान्तसार – सन्तराम श्रीवास्तव
6– वेदान्तसार – डॉ0 शिवसागर त्रिपाठी, ज्ञान प्रकाशन, मेरठ
7– सर्वदर्शनसंग्रह – माधवाचार्य
8– अद्वैतवेदान्त में आभासवाद – डॉ0 सत्यदेव मिश्र, इंदिरा प्रकाशन, पटना।
9– अर्थसंग्रह– लौंगाक्षिभास्कर–चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी।
10– भारतीय दर्शन–संपादक डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा,
11– भारतीय दर्शन– डॉ0 बलदेव उपाध्याय
12– इन्टोडक्शन टु इण्डिन फिलासफी –दत्ता एवं चटर्जी (हिन्दी व अंग्रेजी संस्करण)
13– भारतीय न्यायशास्त्र– ब्रह्ममित्र अवस्थी (इन्दु प्रकाशन, दिल्ली)
14– भारतीय दर्शन –डॉ0 उमेश मिश्र (हिन्दी समिति, उत्तरप्रदेश सरकार, लखनउ

चतुर्थ प्रश्नपत्र – भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण

समय – तीन घंटे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1– साहित्यदर्पण(1,2 परिच्छेद, तृतीय परिच्छेद कारिका 29 तक)–विश्वनाथ	25 अंक
2– नाट्यशास्त्र (6 अध्याय) – भरत	15 अंक
3– काव्यालंकार (भामह) प्रथम अध्याय	20 अंक
4– साहित्यशास्त्र के प्रमुख ग्रन्थ, चिन्तक एवं सिद्धान्त (6 सम्प्रदाय)	20 अंक
5– प्रक्रिया भाग–लघुसिद्धान्तकौमुदी (ण्यन्त, सन्नन्त, आत्मनेपद, परस्मैपद)	20 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1–साहित्यदर्पण	(1) चार कारिकाओं/उद्धरणों में से दो की व्याख्या (जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	18 अंक(9+9)
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर।	7 अंक
2– नाट्यशास्त्र	(1) दो कारिकाओं में से एक की व्याख्या	8 अंक
	(2) दो प्रश्नों में एक प्रश्न का उत्तर।	7 अंक
3– काव्यालंकार	(1) चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या (जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य)	20 अंक
4–साहित्यशास्त्र	(1) ग्रन्थ, चिन्तक में से दो प्रश्न पूछकर एक प्रश्न	10 अंक

Section Officer (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

	का उत्तर (2) सिद्धान्त संबंधी दो प्रश्न में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
5– प्रक्रियाभाग	(1) चार सूत्रों में से दो की व्याख्या	8 अंक
	(2) छहः सिद्धियों में से तीन सिद्धियां	12 अंक
	कुल योग	100 अंक

संस्तुत पुस्तकें –

1– साहित्यदर्पण – डॉ0 निरूपण विद्यालंकार
2. साहित्यदर्पण–शेषराज रेग्मी
3. साहित्यदर्पण–शालगराम शास्त्री
4. नाट्यशास्त्र– सम्पादक डॉ0 भोलानाथ शर्मा– साहित्य निकेतन, कानपुर
5. भरतनाट्यशास्त्र– डॉ0 ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आकिर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
6. नाट्यशास्त्र– डॉ0 पारसनाथ द्विवेदी, विनोद प्रस्तक मन्दिर, आगरा
7. काव्यालंकार– भामह बटुकनाथ शर्मा
8. अलंकारशास्त्र का इतिहास– डॉ0 कृष्णकुमार
9. हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर– डॉ. पी.वी. काणे(काणे व हिन्दी संस्करण)
10. संस्कृत पोईटिक्स– एस.के.डे.(अंग्रजी व हिन्दी संस्करण)
11. भारतीय साहित्यशास्त्र, बलदेव उपाध्याय
12. लघुसिद्धान्तकौमुदी– भीमसेन शास्त्री
13. लघुसिद्धान्तकौमुदी– महेशसिंह कुशवाह
14. लघुसिद्धान्तकौमुदी– डॉ0 अर्कनाथ चौधरी, आयुर्वेद हिन्दी संस्कृत पुस्तक भण्डार, जयपुर

Section Officer (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

एम० ए० संस्कृत (उत्तरार्द्ध)

एम.ए.(उत्तरार्द्ध)
वर्ग अ साहित्य
प्रथम प्रश्नपत्र– साहित्यशास्त्र

समय –तीन घण्टे पूर्णांक–100 अंक

अवधेयम्– प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जोगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. काव्यप्रकाश (1 से 8 उल्लास) – मम्मट(सप्तम उल्लास में रसदोषमात्र) 50 अंक
2. ध्वन्यालोक (प्रथम उद्योत) आनन्दवर्धन 25 अंक
3. वक्रोक्तिजीवितम्(प्रथम उन्मेष) कुन्तक 25 अंक

विस्तृत अंक– विभाजन

1. काव्यप्रकाश	1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या	9+9= 18 अंक
	2. वृत्तिभाग से 2 उद्धरण पूछकर एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	3. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
2. ध्वन्यालोक	1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें से एक की संस्कृत भाषा में अनिवार्य	10+10= 20 अंक
	2. दो टिप्पणी में से एक का विवेचन	5 अंक
3. वक्रोक्तिजीवितम्	1. चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या	7½+7½= 15 अंक
	2. दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
कुलयोग		100 अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

Section Officer (Acad-I)
University of Rajasthan
JAIPUR

9-A

सहायक पुस्तकें-

(अ) साहित्य वर्ग-

प्रथम पत्र-साहित्यशास्त्र

सहायक पुस्तकें-

1. डॉ. पी.वी. काणे- हिस्ट्री ऑफ अलंकार लिटरेचर
2. रस सिद्धान्त की शास्त्रीय समीक्षा- प्रो. सुरजनदास स्वामी- प्रकाशक नीजर शर्मा, जयपुर
3. संस्कृत पोइटिक्स- एस.के.डे.
4. भारतीय साहित्यशास्त्र-बलदेव उपाध्याय
5. काव्यशास्त्र- डॉ. विक्रमादित्य राय
6. भारतीय साहित्यशास्त्र की रूपरेखा-डॉ. त्र्यम्बक देशपांडे
7. रसालोचनम्- डॉ. ब्रह्मानंद शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
8. काव्यप्रकाश- मम्मट व्याख्या-डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
9. काव्यप्रकाश- आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि, ज्ञान मण्डल, वाराणसी
1. ध्वन्यालोक- आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि
11. ध्वन्यालोक- डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
12. रसगंगाधर-आचार्य बद्रीनाथ झा
13. रसगंगाधर- नागेशभट्ट कृत मर्मप्रकाश, मधुसूदनी-संस्कृत टीका व बालक्रीडा हिन्दी टीका
14. वक्रोक्तिजीवितम्- राधेश्याम मिश्र
15. वक्रोक्तिजीवितम्- प्रथम व द्वितीय उन्मेष- डॉ. दशरथ द्विवेदी

द्वितीय प्रश्नपत्र-नाटक तथा नाट्यशास्त्र

समय-तीन घण्टे पूर्णांक- 100 अंक

अवधेयम्- प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. दशरूपकम्- धनंजय (प्रथम, द्वितीय व चतुर्थ प्रकाश मात्र) 35 अंक
2. वेणीसंहार- भट्टनारायण (रत्नावली) श्री हर्ष 20अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

10

3.	उत्तररामचरितम्	35 अंक
4.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास—विरेचन सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त (अरस्तु), उदात्तीकरण, अभिव्यक्तिवाद	10 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1.	दशरूपकम्	1.	चार कारिकाओं में से एक की संस्कृत व्याख्या एवं एक की हिन्दी व्याख्या	20 अंक
		2.	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
2.	वेणीसंहार	1.	दो श्लोकों में से एक की हिन्दी में व्याख्या	10 अंक
		2.	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
3.	उत्तररामचरितम्	1.	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या (एक की संस्कृत में) 10+10=	20 अंक
		2.	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	15 अंक
4.	पाश्चात्यकाव्य शास्त्र का इतिहास	1.	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
	कुल योग			100 अंक

द्वितीय पत्र —नाटक तथा नाट्यशास्त्र

सहायक पुस्तकें--

1. अभिनवगुप्त—अभिनवभारती
2. टाइप्स ऑफ संस्कृत ड्रामा—मनकंद
3. भरत नाट्यशास्त्र, डॉ. ब्रजमोहन चतुर्वेदी, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
4. भरतमुनि प्रणीत, डॉ. पारसनाथ द्विवेदी, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
5. संस्कृत नाट्यसाहित्य—डॉ. खण्डेलवाल, आगरा
6. दशरूपक (नान्दी टीका)—डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विश्वविद्यालय, सागर
7. दशरूपकतत्त्वदर्शनम्—डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विश्वविद्यालय, सागर
8. मध्यकालीन संस्कृत नाटक—डॉ. रामजी उपाध्याय, संस्कृत परिषद, सागर विश्वविद्यालय, सागर
9. संस्कृत ड्रामा (नाटक)—कीथ
10. इंडियन थियेटर–सी.बी. गुप्त
11. भरत नाट्यशास्त्र (अंग्रेजी अनुवाद)—मनमोहन घोष

11

Asstt. Registrar (Acad I)

13. उत्तररामचरितम् – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी

14. उत्तररामचरितम् – वरराघवकृतया टीका – शेषराज शर्मा

15. पाश्चात्य आलोचना के सिद्धान्त – भागीरथ मिश्र

तृतीय प्रश्नपत्र – गद्य, पद्य, चम्पू

समय – तीन घण्टे पूर्णांक – 100 अंक

अवधेयम् – प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 2 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. कादम्बरी (महाश्वेतावृत्तान्त पर्यन्त) (बाणभट्ट)	25 अंक
2. नैषधीयचरितम् (प्रथमसर्ग)	25 अंक
3. नलचम्पू – त्रिविक्रम (प्रथम उच्छ्वास)	25 अंक
4. शिवराजविजय (1,2 उच्छ्वास) – अम्बिकादत्तव्यास	25 अंक

विस्तृत अंक – विभाजन

1. कादम्बरी	1. चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद	10+10=20 अंक
2. नैषधीयचरितम्	1. चार श्लोकों में से दो की सप्रसंग व्याख्या (एक की संस्कृत में)	10+10=20 अंक
3. नलचम्पू (प्रथम उच्छ्वास मात्र)	1. दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या (एक की संस्कृत में) 2. दो गद्यांशों में एक की व्याख्या	10+10=20 अंक
4. शिवराजविजय	1. चार उद्धरणों में से दो का सप्रसंग अनुवाद	10+10=20 अंक
5. नैषध. व नल.	1. दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
6. काद. व शिव.	1. दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
कुल योग		100 अंक

तृतीय पत्र – तीन विकल्प

काव्य – गद्य – पद्य – चम्पू

सहायक पुस्तकें –

1. नैषधपरिशीलन – चण्डिकाप्रसाद शुक्ल

2. नैषधीयचरितम् – जीवातु संस्कृत टीकासहित – डॉ. देवर्षि सनाढ्य

3. बृहत्त्रयी – सुषमा कुलश्रेष्ठ

4. क्रिटिकल स्टडी ऑफ नैषधीयचरितम् – डॉ. ए.एन. जानी

5. नलचम्पू – कैलाशपति त्रिपाठी

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

6. चम्पू काव्यों का अध्ययन—छविनाथ मिश्र
7. कादम्बरी (पूर्वार्द्ध) संस्कृत हिन्दी टीका सहित—डॉ. श्रीनिवास शास्त्री
8. कादम्बरी एक सांस्कृतिक अध्ययन—डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल
9. शिवराज विजय—अम्बिकादत्त व्यास

निम्नलिखित कवियों में से किसी एक का विशेष अध्ययन

एम.ए. उत्तरार्द्ध तृतीय प्रश्नपत्र (साहित्य वर्ग)

कालिदास :

समय—तीन घण्टे पूर्णांक—100 अंक

अवधेयम्—प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा के माध्यम से बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

पाठ्यक्रम

क) व्याख्या हेतु

1. व्याख्या हेतु प्रस्तावित नाटक—कालिदास के नाटक 30 अंक
2. रघुवंश (16, 13 सर्ग), कुमारसंभव (1-5 सर्ग) मेघदूत व ऋतुसंहार (प्रथम दो सर्गों से अंश) 30 अंक

ख) समालोचना हेतु

1. कालिदास के स्थितिकाल, जीवनवृत्त, रचनासंख्या आदि बिन्दुओं पर प्रश्न 15 अंक
2. कालिदास की काव्यकला, नाटककला एवं रचना-सौन्दर्य पर प्रश्न 25 अंक

1.	अभिज्ञान.	2 श्लोकों में से 1 की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
2.	विक्रमोर्वशीय	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
3.	मालविका.	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
4.	रघुवंश	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
5.	कुमार. सम्भव	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
6.	मेघदूतम्	2 श्लोकों में से 1 की सप्रसंग व्याख्या	10 अंक
7.	व्यक्तित्व व कृतित्व	2 श्लोकों में से 1 का उत्तर	15 अंक
8.	समालोचनात्मक	4 प्रश्नों में से 2 प्रश्नों का उत्तर	15+10 = 25 अंक

2—भास :

समय—तीन घण्टे पूर्णांक—100 अंक

(क) व्याख्या हेतु—

1. कृष्ण कथा पर आधारित नाटकों से उदाहरणीय अंश 20 अंक
2. रामकथा पर आधारित नाटकों से अंश 15 अंक
3. भास के शेष नाटकों से उद्धृत अंश 15 अंक

(ख) समालोचना हेतु—

1. भास के स्थितकाल व व्यक्तित्व पर प्रश्न 15 अंक
2. भास की नाट्यकला एवं रचनात्मक सौन्दर्यानुभूति पर प्रश्न 35 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1.	व्याख्या हेतु कृष्ण कथा पर आधारित नाटक	4 श्लोकों में से 2 की सप्रसंग व्याख्या (उनमें से एक संस्कृत में)	20 अंक (10+10)
2-	व्याख्या हेतु रामकथा पर आधारित नाटक	4 व्याख्याओं में से 2 की व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
3.	व्याख्या हेतु भास के शेष नाटकों	4 व्याख्याओं में से 2 की व्याख्या	15 अंक (7.5+7.5)
4.	भास की स्थिति काल एवं व्यक्तित्व	2 प्रश्नों में से 1 प्रश्न का उत्तर अपेक्षित	15 अंक
5.	भास की नाट्यकला एवं रचनात्मक सौन्दर्यानुभूति	2 प्रश्न पूछ कर 1 का उत्तर 4 प्रश्न पूछकर 2 का उत्तर, 1 प्रश्न का उत्तर संस्कृत में अपेक्षित है।	15 अंक 20 अंक (10+10)

कुल योग 100

सहायक पुस्तकें—

1. भासनाटकचक्रम्-भाग एक व दो, व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. दूतघटोत्कच—व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. दूतवाक्यम् —व्याख्याकार डॉ. गंगासागरराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

4. मध्यमव्यायोग—व्याख्याकार डॉ. गंगासागराय, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

वर्ग 'ब' वैदिक साहित्य

प्रथम प्रश्नपत्र—संहिता पाठ

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1. ऋग्वेद—सप्तम मंडल, सूक्त 1 से 10 तक — 25 अंक
2. अथर्ववेद—अधोदत्त सूक्त मात्रा निर्धारित हैं— — 30 अंक

काण्ड	सूक्त
1	5, 6, 14
2	28, 33
3	12, 16, 17, 30
4	30
8	9
9	9 (14 अस्य वामस्य)
18	6 (प्राण ब्रह्मचारी)
19	52, 53

3. वाजसनेयी संहिता—अध्याय 1, 32 एवं 36 — 20 अंक

टिप्पणी—परीक्षार्थियों से आशा की जाती है कि वे वेद के मंत्रों के विभिन्न भाष्य, जिनमें सायण, कपाली शास्त्री, दयानन्द, उव्वट का नाम विशेषत: उल्लेखनीय है, पढ़ेंगे तथा आधुनिक अर्थों से भी परिचित होंगे।

4. सबद्ध व्याकरण — 10 अंक
5. ऋग्वेदादि भाष्य भूमिका—स्वामी दयानन्द — 15 अंक

कुल योग — **100 अंक**

द्वितीय प्रश्नपत्र—ब्राह्मण उपनिषद् तथा वैदिक सहायक ग्रन्थ

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित है।

1. ऐतरेय ब्राह्मण—पंचिका—अध्याय 1 व 2 मात्र — 20 अंक
2. शतपथ ब्राह्मण—माध्यंदिन काण्ड—1, अध्याय—1 — 15 अंक
3. यास्क निरुक्त 2, 7 अध्याय (निर्वचन व व्याख्या) — 15 अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

ऋक् प्रतिशाख्य के पाठ्यक्रम में निर्धारित सूत्रों की व्याख्या प्रष्टव्य हैं।

5.	छान्दोग्योपनिषद्-अध्याय 7वां	20 अंक
6.	कात्यायन श्रौतसूत्र—अध्याय प्रथम 1-2 कण्डिकाएं	15 अंक
	कुल योग	100 अंक

तृतीय प्रश्नपत्र—वैदिक धर्म, देवशास्त्र एवं वैदिकी प्रक्रिया

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

1.	वैदिक धर्मों का तुलनात्मक एवं देवशास्त्र	40 अंक
2.	वैदिकी प्रक्रिया–सिद्धान्त कौमुदी	40 अंक
3.	महर्षि कुलवैभवम्–मधुसूदन ओझा (महर्षियों का सामान्य परिचय)	20 अंक
	कुल योग	100 अंक

अथवा ऋग्वेद के किसी मण्डल का विशिष्ट अध्ययन

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। गृत्समद अथवा वामदेवामण्डल में से प्रत्येक के प्रथम चालीस सूक्तों का विशेष अध्ययन।

वर्ग 'स' दर्शनशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र—न्याय और वैशेषिक दर्शन

समय—तीन घण्टे **पूर्णांक—100 अंक**

अवधेयम्—प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1.	न्याय सूत्र वात्स्यायन भाष्यसहित (प्रथम अध्याय)	30 अंक
2.	विश्वनाथ--न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (प्रत्यक्ष एवं शब्द खण्ड)	40 अंक
3.	प्रशस्तपाद (गुणनिरूपणान्त)	30 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1.	न्यायसूत्रम् वात्स्यायन भाष्य सहित	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
		दो सूत्रों में से एक की व्याख्या	10 अंक
		दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक

Asstt. Registrar (Acad.)
University of Rajasthan
Jaipur

2. न्यायसिद्धान्त मुक्तावली	प्रत्यक्ष खण्ड में चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10= 20 अंक
	शब्द खण्ड से चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10= 20 अंक
3. प्रशस्तपादभाष्य	चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या	10+10= 20 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
कुलयोग		100 अंक

सहायक पुस्तकें

1. न्यायसूत्र वात्स्यायन भाष्य, सं. स्वामी द्वारिकादास शास्त्री, प्र. बौद्ध भारती, वाराणसी
2. न्यायसिद्धान्तमुक्तावली(प्रत्यक्षखण्ड), वयाख्याकार– डॉ0 श्री गजानन शास्त्री मुसलगॉवकर, चौखम्बासुरभारती, वाराणसी
3. कारिकावली– न्यायमुक्तावली संवलिता, व्याख्याकार– आत्माराम शर्मा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
4. प्रशस्तपादभाष्यम् व्याख्याकार– आचार्य ढुण्ढिराजशास्त्री, प्र. चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

द्वितीयपत्र– शैवागम, सांख्यदर्शन और दर्शनशास्त्र

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी –वाचस्पतिमिश्र(एक से तीस कारिका पर्यन्त)	20 अंक
2. ईश्वरप्रतिभिज्ञाविमर्शिनी(आगमाधिकार)	20 अंक
3. परमार्थसार– अभिनवगुप्त	20 अंक
4. भारतीय दर्शनशास्त्र	20 अंक
5. पाश्चात्य दर्शनशास्त्र	20 अंक

अवधेयम्–दर्शनशास्त्र के विकास की दृष्टि से निम्नांकित विषयों पर सामान्य अध्ययन अपेक्षित है–1. षड्दर्शन का विकास, 2. सुकरात, प्लेटो एवं अरस्तू द्वारा प्रतिपादित नीतिशास्त्र, 3. स्पिनोजा का शून्यवाद तथा सर्वेश्वरवाद,4. बर्कलेकृत जंडवाद की आलोचना 5. ह्यूम का कार्यकारणवाद तथा सन्देहवाद, 6. देकार्त प्रतिपादित ईश्वर एवं बाह्य जगत! तथा 7. काण्ट का नीतिशास्त्र।

विस्तृत अंक विभाजन

1. सांख्यतत्त्वकौमुदी –	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
2. ईश्वरप्रतिभिज्ञाविमर्शिनी	दो व्याख्याओं में से एक की व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में एक का उत्तर	10 अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan

3. परमार्थसार–	दो व्याख्याओं में से एक की संस्कृत में व्याख्या	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर	10 अंक
4. भारतीय दर्शनशास्त्र	चार प्रश्नों में से दो का उत्तर	10+10=20 अंक
5. पाश्चात्य दर्शनशास्त्र	चार प्रश्नों में से दो का उत्तर	10+10=20 अंक
कुल योग		100 अंक

सहायक पुस्तके

1. भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन.गुप्त, अनु. कलानाथशास्त्री,सुधीरकुमार, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, अकादमी, जयपुर
2. पाश्चात्य आधुनिक दर्शन की समीक्षात्मक व्याख्या, या मसीह, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
3. नीतिशास्त्रीय सिद्धान्त के पाँच प्रकार सी.डी. ब्रोड, अनु. डॉ0 श्यामनन्दन, प्रो0 केदारनाथ लाल, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना
4. नीतिशास्त्र मीमांसा, जार्ज एडवर्ड, मू. अनु. अशोक कुमार वर्मा, बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना

<u>तृतीयप्रश्नपत्र–वेदान्त मीमांसा एवं अवैदिक दर्शन</u>

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. ब्रह्मसूत्रचतुःसूत्री–शांकरभाष्यसहित	30 अंक
2. माण्डूक्योपनिषद्(गौडपादकारिका सहित)	25 अंक
3. अर्थसंग्रह– (विधिभाग को छोड़कर)	20 अंक
4. सर्वदर्शनसंग्रह– माधवाचार्य(जैन व बौद्धदर्शनमात्र)	25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. ब्रह्मसूत्रचतुःसूत्री	चार व्याख्याओं में से दो की व्याख्या जिसमें एक का संस्कृत में सप्रसंग अनुवाद	10+10=20 अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
2. माण्डूक्योपनिषद्	चार कारिकाओं में से दो की व्याख्या जिसमें	
	एक की संस्कृत में	9+9=18 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	7 अंक
3. अर्थसंग्रह	चार उद्धरणों में से दो की व्याख्या	7+7=14 अंक
	दो प्रश्नों में स एक का उत्तर	6 अंक
4. सर्वदर्शनांग्रह	दोनों दर्शनों में दो दो कारिकाओं में	
	से एक एक की व्याख्या	12+13=25 अंक

सहायक पुस्तकें–

1. माण्डूक्यकारिका– गौडपद, आनन्द आश्रम पूना
2. आगमशास्त्र ऑफ गौडपाद, बी भट्टाचार्य, यूनिवर्सिटी ऑफ कलकत्ता।
3. सर्वदर्शनसंग्रह– माधवाचार्य प्रो. उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी

वर्ग द धर्मशास्त्र

प्रथम प्रश्नपत्र–धर्मसूत्र और धर्मशास्त्र का इतिहास

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. गौतमधर्मसूत्राणि सम्पूर्ण 75 अंक
2. धर्मशास्त्र का इतिहास (प्रमुख सूत्रकार, स्मृतियां एवं निबन्धकारों का इतिहास) 25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. गौतमधर्मसूत्र	दस सूत्रों में से पाँच की व्याख्या	25 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर	20 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर व्यवहार सम्बन्धी	20 अंक
2. धर्मशास्त्र का इतिहास	किन्हीं चार ग्रन्थकारों अथवा	
	धर्मशास्त्रीय ग्रन्थों में से दो का परिचय	15 अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

धर्मशास्त्र के इतिहासकारों के विषय में दो
प्रश्न में से एक का उत्तर 10 अंक

कुलयोग 100 अंक

संस्तुत पुस्तकें–

1. गौतमधर्मसूत्राणि हिन्दी व्याख्याकार– डॉ उमेशचन्द्र पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत सीरिज आफिस, वाराणसी
2. धर्मशास्त्र का इतिहास, प्रथमखण्ड, डॉ0 पी.वी.काणे, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ
3. धर्मकल्पद्रुम डॉ राजेन्द्रप्रसादशर्मा, वाराणसी

द्वितीयप्रश्नपत्र–स्मृतिशास्त्र

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. मनुस्मृति (3 से 6 अध्याय तक) 50 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय 1 से 7 प्रकरण) 25 अंक
3. विश्वेश्वरस्मृति 25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. मनुस्मृति	चार श्लोकों में से दो की संप्रसंग व्याख्या	10+10=20 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का संस्कृत में उत्तर	20 अंक
	चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो में से किसी एक की मिताक्षरा के अनुसार व्याख्या	10 अंक
	चार टिप्पणियों में दो का उत्तर	15 अंक
3. विश्वेश्वरस्मृति	चार श्लोकों में से दो की संप्रसंग व्याख्या	15 अंक
	दो प्रश्नों में एक का उत्तर अथवा चार टिप्पणियों में दो का उत्तर	10 अंक

कुलयोग 100 अंक

संस्तुत पुस्तकें–

1. मनुस्मृति, हिन्दी व्याख्याकार पं. हरगोविन्दशास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. याज्ञवल्क्यस्मृति हिन्दी व्याख्याकार, डॉ0 उमेशचन्द पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
3. विश्वेश्वरस्मृति, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

20

तृतीयप्रश्नपत्र– निबन्ध साहित्य, व्यवहार एवं प्रायश्चित्त ज्ञान

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. धर्मसिन्धु, काशीनाथ उपाध्याय, प्रथम व द्वितीय परिच्छेद 50 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति (व्यवहाराध्याय अष्टम प्रकरण दायभाग) 25 अंक
3. याज्ञवल्क्यस्मृति(प्रायश्चित्ताध्याय) 25 अंक

25 अंक

विस्तृत अंक विभाजन

1. धर्मसिन्धु	चार बिन्दुओं में से 2 का संस्कृत विवेचन	10+10=20 अंक
	चार बिन्दुओं में से दो का विवेचन	20 अंक
	चार टिप्पणियों में से दो का उत्तर	10 अंक
2. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो श्लोकों में से एक की सप्रसंग व्याख्या	15 अंक
	दो प्रश्नों में से एक का उत्तर	10 अंक
3. याज्ञवल्क्यस्मृति	दो श्लोकों में से एक की संप्रसंग व्याख्या	15 अंक
	दो टिप्पणियों में एक का उत्तर	10 अंक
कुलयोग		100 अंक

संस्तुत पुस्तकें–

1. धर्मसिन्धु, काशीनाथ, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी
2. याज्ञवल्क्यस्मृति हिन्दी व्याख्याकार, डॉ0 उमेशचन्द पाण्डे, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी

वर्ग ' ई ' व्याकरण

प्रथम प्रश्न पत्र – वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी

समय – तीन घण्टे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –	संज्ञा एवं स्त्रीप्रत्यय प्रकरण	25 अंक
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –	आत्मनेपद एवं परस्मैपद प्रकरण	20 अंक
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –	तिङन्त – भू एवं एध् धातु तथा अन्य सभी गणों की प्रथम धातु।	30 अंक
4. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –	तद्धित– मत्वर्थीय, कृदन्त– कृत्य प्रकिया मात्र।	25 अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

(उपर्युक्त सभी वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी के पंक्त्यंश भाग को छोड़कर)

विस्तृत अंक विभाजन –

1.	(क) संज्ञा प्रकरण	(i) छह सूत्रों में से तीन सूत्रों की व्याख्या	4 x 3 = 12 अंक
	(ख) स्त्री प्रत्यय प्रकरण	(i) चार सूत्रों में से दो सूत्रों की व्याख्या	2.5 x 2 =5 अंक
		(ii) चार सिद्धियों में से दो सिद्धियां	4 x 2 = 8 अंक
2.	आत्मनेपद प्रकरण एवं परस्मैपद प्रकरण	(i) छह सूत्रों में से तीन सूत्रों की व्याख्या (संस्कृत माध्यम से अनिवार्य)	4 x 3 = 12 अंक
		(ii) आठ सिद्धियों में से चार सिद्धियों की व्याख्या (संस्कृत माध्यम से अनिवार्य)	2 X 4 = 8 अंक
3.	(क) भू धातु	(i) चार सूत्रों में से दो सूत्रों की व्याख्या	2.5 x 2 =5 अंक
		(ii) चार सिद्धियों मे से दो सिद्धियां	2.5 x 2 =5 अंक
	(ख) एध् धातु	(i) चार सूत्रों में से दो सूत्रों की व्याख्या	2.5 x 2 =5 अंक
		(ii) चार सिद्धियों मे से दो सिद्धियां	2.5 x 2 =5 अंक
	(ग) अन्य सभी गणों की प्रथम धातु	(i) आठ सिद्धियों में से चार सिद्धियां	2.5 x 4 =10 अंक
4.	(क) तद्धित –मत्वर्थीय	(i) छः सूत्रों में से तीन सूत्रों की व्याख्या	3 x 3 = 9 अंक
		(ii) चार सिद्धियों में दो सिद्धियां	3 x 2 = 6 अंक
	(ख) कृदन्त–कृत्य प्रक्रिया	(i) चार सूत्रों में से दो सूत्रों की व्याख्या	2.5 x 2 = 5 अंक
		(ii) चार सिद्धियों में दो सिद्धियां	2.5 x 2 = 5 अंक
		कुल योग	– 100 अंक

संस्तुत पुस्तकें –

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (बालमनोरमा–तत्त्वबोधिनी टीका), गिरिधर शर्मा चतुर्वेद एवं परमेश्वरानन्द शर्मा, दिल्ली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (बालमनोरमा–दीपिका टीका) श्रीगोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (सविमर्श– रत्नप्रभा टीका) श्रीबालकृष्ण पंचोली, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
4. व्याकरण चन्द्रोदय– चारूदेव शास्त्री।

Asstt. Registrar
University of Rajasthan
Jaipur

द्वितीय प्रश्न पत्र – वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी तथा वाक्यपदीय

समय – तीन घण्टे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी – अव्ययीभाव एवं तत्पुरुष समास प्रकरण 30 अंक
   (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी के पंक्त्यंश भाग को छोड़कर)
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी –बहुव्रीहि से सर्वसमासशेष प्रकरण पर्यन्त 25 अंक
   (वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी के पंक्त्यंश भाग को छोड़कर)
3. वाक्यपदीय –ब्रह्मकाण्ड। 45 अंक

विस्तृत अंक विभाजन –

1.	(क) अव्ययीभाव समास	(i) आठ सिद्धियों में से चार सिद्धियां	3 x 4 = 12 अंक
	(ख) तत्पुरुष समास	(i) बारह सिद्धियों में से छः सिद्धियां जिनमें से दो अनिवार्य रूप से संस्कृत भाषा में	3 x 6 = 18 अंक
2.	(क)बहुव्रीहि समास	(i) आठ सिद्धियों में से चार सिद्धियां	3 x 4 = 12 अंक
	(ख) द्वन्द्व समास	(i) छः सिद्धियों में से तीन सिद्धियां	3 x 3 = 9 अंक
	(ग)एकशेष एवं सर्वसमासशेष प्रकरण	(i) दो में से एक व्याख्या संस्कृत में अनिवार्य	4x 1 = 4 अंक
3.	(क) कारिका संख्या 1 से 42 तक दो में से एक कारिका की व्याख्या (संस्कृत भाषा में अनिवार्य)		10 अंक
	(ख) कारिका संख्या 43 से 106 तक दो में से एक कारिका की व्याख्या		10 अंक
	(ग) कारिका संख्या 107 से 146 तक दो में से एक कारिका की व्याख्या		10 अंक
	(घ) विषय वस्तु पर आधारित दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर		10 अंक
	(ङ) विषय वस्तु पर आधारित दो लघु प्रश्नों में से एक लघु प्रश्न का उत्तर		5 अंक
		कुल योग –	100 अंक

संस्तुत पुस्तकें –

1. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (बालमनोरमा–तत्त्वबोधिनी टीका), गिरिधर शर्मा चतुर्वेद एवं परमेश्वरानन्द शर्मा, दिल्ली
2. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (बालमनोरमा–दीपिका टीका) श्रीगोपालदत्त पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

23

3. वैयाकरण सिद्धान्त कौमुदी (सविमर्श– रत्नप्रभा टीका) श्रीबालकृष्ण पंचोली, चौखम्बा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
4. व्याकरण चन्द्रोदय– चारूदेव शास्त्री
5. वाक्यपदीयम् – (अम्बाकर्त्री व्याख्या), रघुनाथ शर्मा
6. वाक्यपदीयम् – (भावप्रकाश व्याख्या), सूर्यनारायण शुक्ल
7. भर्तृहरि का वाक्यपदीय – के.ए.एस.अय्यर, रामचन्द्र द्विवेदी, राजस्थान हिन्दी अकादमी जयपुर।
8. वाक्यपदीयम् – डॉ. शिवशंकर अवस्थी, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी।
9. संस्कृत व्याकरण दर्शन – रामसुरेश त्रिपाठी, दिल्ली।
10. अर्थविज्ञान और व्याकरण दर्शन– डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, हिन्दुस्तान अकादमी, इलाहाबाद।

तृतीय प्रश्न पत्र – प्रकरण ग्रन्थ तथा व्याकरणशास्त्र का इतिहास

समय – तीन घण्टे पूर्णांक – 100

अवधेयम् – प्रश्न पत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. पाणिनीय शिक्षा – 20 अंक
2. कारक सम्बन्धोद्योत – 20 अंक
3. संस्कृत व्याकरणशास्त्र का इतिहास – 60 अंक

(क) पाणिनिपूर्व के वैयाकरण आचार्यो का योगदान।

(ख) मुनित्रय (पाणिनी, कात्यायन, पतंजलि) का काल एवं योगदान।

(ग) पाणिन्युत्तर व्याकरण–सम्प्रदायों का सर्वेक्षण : चान्द्र, कातन्त्र, शाकटायन, जैनेन्द्र, हैम, भोज, सारस्वत एवं मुग्धबोध व्याकरण।

(घ) अष्टाध्यायी की वृत्तिपरम्परा।

(ङ) पाणिनि–व्याकरण में प्रक्रिया ग्रन्थों का योगदान।

(च) पाणिनि परम्परा के दार्शनिक आचार्य– भर्तृहरि, भट्टोजिदीक्षित, कौण्डभट्ट, नागेश आदि।

विस्तृत अंक विभाजन –

1. (क) दो कारिका में से एक कारिका की व्याख्या
   10 अंक

(ख) ग्रन्थ की विषय वस्तु से सम्बन्धित चार लघु प्रश्नों में से दो प्रश्नों
10 अंक
का उत्तर अनिवार्य रूप से संस्कृत भाषा में देय होगा।

2. (क) कारिका संख्या 1 से 8 तक दो में से एक कारिका की व्याख्या 10 अंक
   (ख) कारिका संख्या 9 से 15 तक दो में से एक कारिका की व्याख्या 10 अंक
3. (क) तत्सम्बन्धी दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
   (ख) तत्सम्बन्धी दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
   (ग) तत्सम्बन्धी चार लघु प्रश्नों में से दो प्रश्नों का उत्तर 10 अंक
   (घ) तत्सम्बन्धी दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
   (ङ) तत्सम्बन्धी दो प्रश्नों में से एक प्रश्न का उत्तर 10 अंक
   (च) तत्सम्बन्धी चार लघु प्रश्नों में से दो प्रश्नों का उत्तर 10 अंक
   (संस्कृत भाषा में अनिवार्य)

कुल योग –

100 अंक

संस्तुत पुस्तकें –

1. पाणिनीयशिक्षा – शिवराज आचार्यः कौण्डिन्न्यायनः, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2. पाणिनीय शिक्षा – एन.एम.घोष, दिल्ली।
3. कारकसम्बोधाद्योत – राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर, जयपुर।
4. कारकसम्बोधाद्योत – राजस्थान प्राच्य प्रतिष्ठान जोधपुर।
5. संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास – पं. युधिष्ठिर मीमांसक, सोनीपत।
6. पाणिनीकालीन भारतवर्ष – वासुदेव शरण अग्रवाल, पटना।
7. पतंजलि कालीन भारतवर्ष– प्रभुदयाल अग्निहोत्री, पटना।
8. संस्कृत व्याकरण का उद्भव और विकास– सत्यकाम वर्मा, दिल्ली।

वर्ग एफ ज्योतिषशास्त्र

प्रथमप्रश्नपत्र ज्योतिष विज्ञान, खगोल एवं ताजिकशास्त्र

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. वर्षपत्र निर्माण के सामान्य सिद्धान्त एवं वर्षफल कथन 20 अंक
   (i) वर्ष लग्न निर्माण प्राचीन एवं नवीन पद्धति के आधार पर
   (ii) मुन्था निर्णय एवं फल

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

(iii) षोडशयोग एवं फल

(iv) त्रिपताकीचक्र निर्माण एवं फल

(v) वर्षपति निर्णय

2. ज्योतिषविज्ञान सम्बन्धी अपेक्षित बिन्दु 20 अंक

1. ज्येष्ठ माह की ज्योतिषीय महत्ता
2. देवशयन मांगलिक कार्य में बाधक क्यो?
3. नक्षत्रविज्ञान का जनक रहा है भारत
4. ज्योतिषरोग एवं उपचार
5. पुराणों में मंगल ग्रह की अवधारणा
6. ग्रहों का मानवीकरण व फलादेश
7. मांगलिक ग्रह अमांगलिक क्यों
8. त्रिपताका चक्र और ग्रहवेध
9. गोधूलि वेला विवाह के लिए श्रेष्ठ
10. वर्षायोग के ज्योतिषीय सिद्धान्त
11. भाग्यशालीयोग कन्या जन्म से भी होता है
12. बन्दीगृह योग में भी है श्रेष्ठ राजयोग
13. श्राद्धविज्ञान के मूलाधार सूर्यचन्द्र
14. पूर्वजन्म पुनर्जन्म एवं ज्योतिष
15. नक्षत्रों पर टिका है मुहूर्त व भविष्यफल
16. वास्तुशास्त्र की वस्तुस्थिति
17. सृष्टिप्रक्रिया का आधार चन्द्रमा
18. वायुधारिणी पूर्णिमा एवं वर्षायोग
19. शरदपूर्णिमा की रात पाइए अमृतप्रसाद
20. ज्योतिष में श्रावणी और रक्षाबन्धन
21. रक्षाबन्धन का वैज्ञानिक आधार
22. हृदय का स्पंदन और ज्योतिषशास्त्र
23. जन्माष्टमी और पंचामृत का ज्योतिषीय महत्त्व
24. श्रीकृष्ण का ज्योतिषीय महत्त्व
25. वैवाहिक निर्णयों में ज्योतिषीय भूमिका
26. पर्यावरणपरिवर्तन और वर्षा के ज्योतिषीय अनुमान
27. व्यक्तित्व विकास में ज्योतिष
28. सूर्यचन्द्रस्वर कार्यसिद्धि में सहायक
29. चिकित्सा में भूमिका निभाते है ग्रहयोग
30. मधुमेह की ज्योतिषीय चिकित्सा
31. महामृत्युंजय मन्त्र का ज्योतिषीय स्वरूप
32. देवप्रबोधिनी एकादशी का वैज्ञानिक आधार
33. ज्योतिषज्ञान आव यक क्यों?
34. सार्थक ही है विवाह हेतु गुणमिलान
35. कुण्डलीमिलान के बावजूद शादी क्यों नहीं
36. बुधादित्ययोग में आपका जीवन
37. सूर्यचन्द्र परिवेश का जनजीवन पर प्रभाव
38. कर्मवाद और ज्योतिषविज्ञान
39. ब्रह्माण्ड रहता है आपकी हथेली में
40. खगोल को भूगोल से जोड़ता है स्वस्तिमंत्र
41. ऊँनाद के साथ ही ग्रहनक्षत्रों की उत्पत्ति
42. इस्लामीतन्त्र एवं ज्योतिष
43. चेहरा आपके स्वभाव का दर्पण है
44. कब मिलती है चोरी गई वस्तु
45. ज्योतिषविज्ञान में प्रश्नतन्त्र
46. पौधारोपण करने से घर में लक्ष्मीनिवास

3. गोल परिभाषा 10 अंक

खमध्य,नाड़ीवलय, समवृत्त, उन्मण्डलवृत्त, उर्ध्वखस्वस्तिक, कदम्बधान, कदम्बप्रोतवृत्त, अयनप्रोतवृत्त,दृग्वृत्त, उन्नतांश, नतांश, अक्षांश, दिगंश,शर, विमण्डलवृत्त अहोरात्रवृत्त आदि की परिभाषा ही पृष्टव्य है।

4. प्रायोगिक परीक्षा 50 अंक

26

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

प्रायोगिक परीक्षा में जयपुर स्थित ज्योतिष यन्त्रालय, जंतर मंतर सिटी पैलेस के पास में विद्यमान यन्त्रों में से शंकुयन्त्र, लघुसम्राटयन्त्र, बृहद् सम्राटयन्त्र, चक्रयन्त्र, षष्ठ्यंश यन्त्र, भित्तियन्त्र, रामयन्त्र, दिगंशयन्त्र, नाड़ीवलय न्त्र, आदि से ग्रह नक्षत्रों एवं सूर्य की वेध प्रक्रिया क्रान्ति आदि की जानकारी के साथ महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय द्वारा निर्मित दिल्ली, वाराणसी, उज्जैन, मथुरा, जयपुर के यन्त्रालयों की ऐतिहासिक जानकारी मापदण्ड रहेगी।

सहायक ग्रन्थ

1. गोलीस रेखागणितम्– श्री मीझालाल ओझा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2. गोलपरिभाषा, श्री गणपति लाल शर्मा
3. यन्त्रालयपरिचय पं. गोकुलचन्द भावन

द्वितीय प्रश्नपत्र– वास्तुविज्ञान एवं मुहूर्त

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. वास्तुशास्त्र के सामान्य सिद्धान्त (निम्नशीर्षकों के आधार पर) 50 अंक

1. वास्तु एक वैज्ञानिक अवधारणा
2. वास्तुपुरुष विधान
3. कांकिणी / ग्रामवास विचार
4. भूमि परीक्षण
5. भूमिशोधन
6. प्राचीन एवं आधुनिक माप प्रणाली
7. भूमि का ढ़लान
8. भूखण्ड की आकृति
9. आयादि लक्षण
10. विविध वास्तुचक्र
11. वास्तुपुरुष विधान एवं मर्मस्थान
12. गृहारम्भ मुहूर्त
13. भूमि का अधिग्रहण, बलिकर्म व गर्भविन्यास
14. विविधगृह
15. मुख्यद्वार
16. गृहके समीप वृक्ष
17. भवन के विभिन्न भाग
18. द्वारवेध
19. भवन के विभिन्न कक्षों की स्थिति
20. गृहप्रवेश मुहूर्त
21. औद्योगिक वास्तु
22. देववास्तु
23. व्यावसायिकवास्तु
24. ज्योतिष, वास्तु एवं आधुनिक वास्तुशास्त्र
25. वास्तुसूत्र
26. पिरामिडशक्ति
27. फेंगशुई
28. वास्तुदोष निवारण

2. मुहूर्त चिन्तामणि– श्रीरामदैवज्ञ विरचित 50 अंक

शुभाशुभ प्रकरण से– तिथि स्वामी, तिथिसंज्ञा, सिद्धियोग, चैत्रादि मासों में शून्य तिथि, शून्य नक्षत्र, शून्य राशि, आनन्दादि अट्ठाइसयोग, सर्वार्थसिद्धियोग, शुभकार्य में

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

27

वजर्यपदार्थ, भद्राविचार, गुरु-शुक्रास्त में वर्जित कार्य सिंहस्थ गुरु में वर्ज्यावर्ज्य का विचार एवं वार प्रवृत्ति मात्र।

नक्षत्र प्रकरण से—नक्षत्रों के स्वामी, ध्रुव, ध्रुव चर, उग्र, मिश्र, लघु, मृदु, तीक्ष्ण, संज्ञाक नक्षत्र एवं कृत्य, दुकान खोलने का मुहूर्त, वाहन (हाथी-घोडा, कार, स्कूटर आदि) खरीदने का मुहूर्त, अन्धादि नक्षत्र एवं फल, नौकरी करने का मुहूर्त, होमाहूति एवं अग्निवास ज्ञान।

संस्कार प्रकरण—सीमंत संस्कार मुहूर्त, प्रसूती स्त्री के स्नान का मुहूर्त, जलपूजन मुहूर्त, शुभकर्मों का विधिकाल, मुंडन मुहूर्त, अक्षराम्भ मुहूर्त, विद्यारम्भ मुहूर्त, यज्ञोपवीत मुहूर्त, गुरुशुद्धि एवं अपवाद।

विवाह प्रकार—वरवरण-कन्यावरण मुहूर्त, अष्टकुट गुण का मिलान (सारणी द्वारा) सामान्य परिचय मात्र दिन-रात्रि के मुहूर्त, अभिजितकाल निर्धारण।

सहायक ग्रन्थ—

1. मुहूर्त चिन्तामणि—श्रीराम देवज्ञ विरचित मास्टर बिहारीलाल समताप्रसाद, वाराणसी, प्रकाशक राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपर
2. [illegible]

तृतीय प्रश्नपत्र—जन्म पत्र-निर्माण, फलादेश के सिद्धान्त

समय—तीन घण्टे — पूर्णांक—100 अंक

अवधेयम्—20 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं।

1. जन्मपत्र निर्माण पद्धति — 60 अंक
   - (क) जन्मांगचक्र निर्माण प्रकार ग्रहस्पष्ट, भाव स्पष्ट=20 अंक (इंडियन एफेमेरीज या परम्परागत प्राचीन पद्धति के आधार पर)
   - (ख) होरा, द्रेष्काण, सप्तमांश, नवमांश, द्वादशांश, त्रिंशांश चक्र, निर्माण पत्र एवं सामान्य फल कथन= 20 अंक
   - (ग) विंशोत्तरी, अष्टोतरी एवं योगिमी दशा, अन्तर्दशा एवं प्रत्यन्तरर्दशा निर्माण = 20 अंक
2. हस्तरेखा विज्ञान—सम्पूर्ण गोपेश कुमार ओझा — 20 अंक
3. लघुपाराशरी—महर्षि पाराशर प्रणीत—उडूदायप्रदीप, योगाध्याय आयर्विचाराध्याय एवं दशाफलाध्याय मात्र

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Raja...
Jaipur

सहायक ग्रन्थ–

1. बृहद् भारतीय कुण्डली विज्ञान, सत्यदेवशर्मा, जगदीश संस्कृत पुस्कालय, जयपुर
2. ज्योतिषसर्वस्व, पं. सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन, नई दिल्ली
3. हस्तरेखाविज्ञान, ले. गोपेश कुमार ओझा, प्रकाशक–मोतीलाल बनारसीदास, नई दिल्ली
4. लघुपाराशरी समीक्षा, डॉ0 शुकदेव चतुर्वेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली

सभी वर्गों के लिए अनिवार्य प्रश्नपत्र

चतुर्थ प्रश्नपत्र– व्याकरण एवं निबन्ध

समय– तीन घण्टे पूर्णांक–100

अवधेयम् प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 20प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेषप्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. व्याकरण लघु सिद्धान्त कौमुदी
   1. कृत्यप्रक्रिया एवं पूर्वकृदन्त 20 अंक
   2. तद्धित–शैषिक प्रकरणपर्यन्त 10 अंक
   3. समास(तत्पुरुष, बहुव्रीहि, अव्ययीभाव, द्वन्द्व) 20 अंक
   4. कारक प्रकरण सिद्धान्तकौमुदी से 15 अंक
2. निबन्ध(संस्कृत में) 20 अंक
   कम से कम 12 निबन्ध के विषय दिये जाने चाहिए, जिनमें से सभी वर्गों अ, ब, स, द, इ, एफ पर प्रत्येक से कम से कम दो विषयों में निबन्ध लिखना चाहिए। उनमें से विद्यार्थी को यथेष्ट एक ही विषय पर निबन्ध लिखना अपेक्षित है।
3. व्याकरण महाभाष्य(पस्पशाह्निक) 15 अंक

विस्तृत अंक–विभाजन

1.	कृत्यप्रक्रिया व पूर्वकृदन्त	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि	20 अंक
2.	तद्धित	8 पद पूछकर 4 की सिद्धि	10 अंक
3.	समास	10 पद पूछकर 5 की सिद्धि	20 अंक
4.	कारक	6 सूत्रों में से 3 की सोदाहरण व्याख्या	15 अंक
5.	महाभाष्य	दो में से एक प्रश्न	15 अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

6. निबन्ध	प्रत्येक ग्रुप के दो-दो विषयों अर्थात् 2 में से एक निबन्ध	20अंक
कुल योग		100 अंक

सहायक पुस्तकें-

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी-भीमसेन शास्त्री
2. लघुसिद्धान्तकौमुदी- महेशसिंह कुशवाहा
3. डॉ. मंगलादेव शास्त्री, प्रबंध प्रकाश इलाहाबाद
4. ऋषिकेश भट्टाचार्य, प्रबन्ध मंजरी
5. पं. गिरिधरशर्मा चतुर्वेदी-निबन्ध मंजरी, शारदा मंदिर, दिल्ली
6. बी.एस. आप्टे- गाइड (संस्कृत कम्पोजीशन)
7. हंसराज अग्रवाल-प्रबन्धप्रदीप
8. डॉ. कपिलदेव द्विवेदी-प्रौढरचानुवादकौमुदी
9. डॉ. बाबूराम त्रिपाठी, संस्कृत व्याकरण, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा
1. माधवीय धातुवृत्ति-माधवाचार्य
11. श्री तरंगिणी-गुणरत्न महादधिः
12. डॉ. नारयणशास्त्री कांकर-व्याकरण साहित्य, अजमेरा बुक कं., जयपुर
13. कारकदीपिका-श्री मोहनबल्लभ पंत, रामनारायणलाल बेनीमाधव, प्रयाग

निम्नलिखित शोध-पत्रिकाएं भी पठनार्थ अनुमोदित है-

1. सागरिका- संस्कृत विभाग, सागर विश्वविद्यालय, सागर
2. संस्कृतप्रतिभा- साहित्य अकादमी, दिल्ली
3. सारस्वतीसुषमा-वाराणसेय संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
4. भारती (मासिक) भारतीय कार्यालय, जयपुर
5. स्वरमंगला (त्रैमासिक) राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
6. मागधम- एच.डी. जैन कालेज, मगध विश्वविद्यालय, आरा, बिहार

पंचम प्रश्नपत्र-प्राचीन संस्कृत साहित्य

समय-तीन घण्टे पूर्णांक- 100 अंक

अवधेयम्- प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा में बनाया जायेगा। 2 प्रतिशत अंक संस्कृत भाषा के माध्यम से पूछे जाने वाले प्रश्नों के लिए निर्धारित हैं। शेष प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी अथवा संस्कृत भाषा के माध्यम से दिये जा सकते हैं।

1. विक्रमांकदेवचरितम् (प्रथम सर्ग)-बिल्हण	20अंक
2. अर्थशास्त्र-कौटिल्य (प्रथम व तृतीय अधिकरण)	20अंक
3. शिशुपालवध- माघ (प्रथम सर्ग)	20अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

30

4. हर्षचरितम् (पञ्चम् उच्छ्वास)-अश्वघोष (तृतीयसर्ग) 20अंक

5. सामान्य प्रश्न 20 अंक

विस्तृत अंक-विभाजन

1. विक्रमांकदेव	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या जिनमें से एक की संस्कृत में	20अंक
2. अर्थशास्त्र	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	20अंक
3. शिशुपालवध	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या जिनमें से एक की संस्कृत में	20अंक
4. बुद्धचरितम्	चार श्लोकों में से दो की व्याख्या	20अंक
5. उपर्युक्त 1 व सामान्य प्रश्न	2 प्रश्न पूछकर 1 का उत्तर	10अंक
6. उपर्युक्त 3 व 4 में सामान्य 2 प्रश्न पूछकर 1 का उत्तर		10अंक
कुल योग		100 अंक

सहायक पुस्तकें-

1. विक्रमांकदेवचरित (प्रथम सर्ग) साहित्य निकेतन, कानपुर
2. शिशुपालवध-मल्लिनाथकृत सर्वंकषा श्रीहरगोविन्द शास्त्री कृत मणिप्रभद हिन्दी व्याख्या सहित
3. रघुवंशमहाकाव्यम्- मल्लिनाथकृत संजीवनी टीकासहित-प्रो. हरिदामोदर वेल्णकर

अथवा आधुनिक संस्कृत-साहित्य

1. विवेकानन्दविजयम्-डॉ. श्रीधरभास्कर वर्णेकर 35 अंक

क- नाटक के अंशों की व्याख्या हेतु- 25 अंक

ख- आलोचनात्मक प्रश्न- 10अंक

2. कथानकवल्ली कलानाथ शास्त्री 25 अंक

क- व्याख्या- 15 अंक

ख- समालोचनात्मक प्रश्न- 10अंक

3. मधुश्च्छन्दा- डॉ. हरिराम आचार्य 25 अंक

क- व्याख्या- 15 अंक

ख- समालोचनात्मक प्रश्न- 10अंक

Asstt. Registrar (Acad I)
University of Rajasthan
Jaipur

31